

डॉ. के. श्रीनिवासराव

सचिव

Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी

(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi

(National Academy of Letters)

An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



सा.अ.16 / 14 /

8 मई 2024

किस्सा-ओ-कलम: बोलती कलम

(हिंदी और अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन पर बच्चों के लिए वार्षिक कार्यशाला)

प्रैस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी, राष्ट्रीय साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली किस्सा-ओ-कलम: बोलती कलम के अपने पाँचवें संस्करण की घोषणा करती है, जो हिंदी और अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन पर बच्चों के लिए एक वार्षिक कार्यशाला है, इसका आयोजन 3 जून 2024 से 7 जून 2024 (सोमवार से शुक्रवार) साहित्य अकादेमी, रवीन्द्र भवन, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली-110001 में किया जाएगा। इस वर्ष कार्यशाला का विषय **अभिलाषा, स्वप्न, आविष्कार : कल्पना और सृजनात्मक लेखन** है। इस कार्यशाला में 9 से 16 वर्ष की आयु के बच्चे भाग ले सकते हैं।

अकादेमी द्वारा पहली बार, उक्त कार्यशाला का आयोजन मई 2017 में किया गया था तथा अब तक 4 कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। इस श्रृंखला को महामारी के कारण कुछ वर्षों तक बंद करना पड़ा था। चार संस्करणों की आश्चर्यजनक सफलता ने साहित्य अकादेमी को इस पाँचवें आयोजन की घोषणा करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

हमारी युवतर पीढ़ी को हमारी भाषाओं और साहित्य के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए अकादेमी द्वारा यह अपनी तरह की विशिष्ट पहल है।

यह पहल, **किस्सा-ओ-कलम : बोलती कलम**, हमारे बच्चों, हमारे कल के नवोदित लेखकों तथा विचारकों को पुस्तकों की दुनिया तथा पढ़ने-लिखने के रचनात्मक क्षेत्रों में सहभागिता तथा आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर उठाया गया एक कदम है। यह 5-दिवसीय कार्यशाला बच्चों को पढ़ने-लिखने तथा भाषा का आनंद लेने और पुस्तकों के सृजन की दिशा में उन्हें रचनात्मक रूप से मदद करने की ओर पहला कदम है।

साहित्य अकादेमी, राष्ट्रीय साहित्य संस्थान की स्थापना 1954 में हुई। यह देश में साहित्यिक संवाद, प्रकाशन तथा प्रचार की केंद्रीय संस्था है, तथा यह एकमात्र संस्था है जो अंग्रेजी सहित 24 भारतीय भाषाओं में साहित्यिक गतिविधियाँ करती है। अपने गतिशील अस्तित्व के 70 वर्षों में, इसने विभिन्न भाषायी और साहित्यिक क्षेत्रों तथा समूहों के बीच अंतरंग संवाद को जीवंत रखने के लिए अच्छे आस्वाद तथा पढ़ने की स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने का निरंतर प्रयास किया है।

बच्चों की यह ग्रीष्मकालीन कार्यशाला विशेष रूप से उन बच्चों के लिए आयोजित की गई है जो समूह के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से संवाद कर सकें तथा इन पाँच दिनों में अपने दम पर कुछ नया करके दिखा सकें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया साहित्य अकादेमी की वेबसाइट: <https://sahitya-akademi.gov.in> देखें।

(के. श्रीनिवासराव)